

સમય: 3 કલાક. લઘુજ્ઞાન (136)

દોરણ - 12

જવાબો
વિભાગ - A

કુલ ગુણ: 100



PAGE NO.

DATE

①

~~Ans~~
~~Key~~

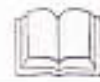
1	(C) બી	1 ગુણ
2	(A) વ્યુમાલભૂત	1
3	(B) સમુચ્ચય	1
4	(D) હા	1
5	(B) પર્યાજનશરત	1
6	(C) અન્વય	1
7	(D) વિધાકરવિધન	1
8	(A) ભાષ્યભલ	1
9	(C) શીખધર્મ	1
10	(A) સત્વ	1

વિભાગ - B

11	દેવ-વ્યાધાતી	1 ગુણ
12	પ્રમાલભૂત	1
13	P ક વ ં P	1
14	વ્યાવતકિ વ્યાધાકરવિધાનના દીપ	1
15	પાંચ	1
16	વ્યાજિ	1
17	સામાજિક	1
18	વ્યાપનો ધર્મ	1
19	મહમ્મદ પરગળર	1
20	સત્વ, રજસ, તમસ	1

વિભાગ - C

21 પાંચ... અને, ડોતો... સ્વભાવ... સર્વો... તો...
જો... તો અને તોજ... ગણિ / ગણી...
સમુચ્ચય, વિરલન, શરતી, દિશરતી, ગિરધે 2 ગુણ



22	ਬਿਲ 34 ਵਿਧਾਨੀ ਯੋਜ ਗੇਤੁ ਸਿੱਧਤਾ ਮੂਲਕ	ਸੰਯੁਕਤ ਵਿਧਾਨ ਯੋਜ ਗੇਤੁ ਸਿੱਧਤਾ ਮੂਲਕ	
	P	q	P V q
	T	T	T
	T	F	T
	F	T	T
	F	F	F
			2 ਗੁਣ

23	(R & S) → (J & K)	34	ਸਿੱਧਤਾ
	<u>R & S</u>	1 ਗੁਣ	P → q
	∴ J & K		MP
			1 ਗੁਣ

24	HS ਗੁ 34	DS ਗੁ 34
	P → q	P V q
	q → P	NP
	∴ P → P	1 ਗੁਣ
		1 ਗੁਣ

25	ਕੀਓ ਮ ਸਾ ਈ ਕੀ ਡੇਲਾਡ ਪ ਮ ਈ ∴ ਡੇਲਾਡ ਪ ਸਾ ਈ	ਆਇਨਿ: ਮ — ਸਾ ਪ — ਮ ਪਾਇਲੀ ਆਇਨਿ ਲੇਟ: ਈ ਈ ਈ 1 ਗੁਣ
----	--	---

26	(1) ਓਯਿਨਿਡੀ ਸੀਨਿ	— = 1 ਗੁਣ
	(2) ਓਯ ਸੋਥੀ ਸੀਨਿ	— = 1 ਗੁਣ

27	ਓਯਾਇਨਾ ਈਲਿਨਾਰੀ = 1. ਸਿੱਧਤਾ ਸਾਏਯਵ	1 ਗੁਣ
	2. ਓਯਿਨਾ ਲਾਪ ਸੰਲੰਘ	1 ਗੁਣ

28	ਕੀਮਾਓਿਡ ਮੂਲਕੋ :- ਕੀਮਾਓਿਡ ਸੰਧ, ਪੁਲਿਤਿ, ਡੀ ਓਯਯਾਓੁ ਕੀਮਾਓਿਡ ਮੂਲਕ ਈ ਕੁਟੁਲ, ਲਯਾ ਕੰਘ, ਸੰਤਰੀ, ਕੀਮਾਓਿਡ ਕੋਯਾਨਾ ਡੀਯੀ, ਓਯਯਾ ਲਾਪਨਾ, ਸਾਏਯੋ, ਪੁੰਮ ਕੋਯੇ ਕੀਮਾਓਿਡ ਮੂਲਕੋ ਈ ਓਯਯਾ	— = 2 ਗੁਣ
----	--	-----------



आध्यात्मिक मूल्यों : धार्मिक, सज्जनात्मक एवं उदात्तपुष्टि
 द्वारा की मूल्यो प्राप्त थाय है ते आध्यात्मिक मूल्यो है
 प्रत्यक्ष ही ईश्वरत्वकी प्राप्ति, योग, ध्यानके द्वारा
 पुष्टि, सत्यसिद्धि की प्राप्ति पुष्टि, कर्मात्, नियम, शिष्टाचार,
 गुरुत्व वगैरे कर्मात्मक उदात्तपुष्टि आध्यात्मिक मूल्य है
 -- 2 गुण

29 प्राज्ञ मूल्यो : (1) सत्य

(2) शिव

(3) सुन्दर

-- 2 गुण

30 कौशिक नियम : "लीभ लोडो पार्थिव क्यो वर्तनकी
 शक्ति राखी हो, तबु वर्तन तमे लीभ लोडो साथ
 राखी -"
 -- 2 गुण

31 विद्विध तनावो : शिना, शिवा, कार्यात् कडाभार
 व्यर्थ, नश्वरता, कालकी अनिश्चितता, अकर्मत्व,
 अविश्वास, पाप, कर्मफल वगैरे -- 2 गुण
 अथवा

32 शिवा, मूढ, विद्विध, शिवा, शिवा, शिवा का पाप
 शिवा की अवस्थाकी है -- 2 गुण

विषय - D

32 कौशिक नियम : $(P \vee q) \leftrightarrow (q \wedge P)$

क्रम	1	2	3	4	5
परिभाषा	P	q	$P \vee q$	$q \wedge P$	$P \vee q \leftrightarrow q \wedge P$
1	T	T	T	T	T
2	T	F	T	F	F
3	F	T	T	F	F
4	F	F	F	F	T

-- 2 गुण

विधान भाषा इतनी मुकुर : परावरण -- 1 गुण



33 $A \rightarrow B$ સૌમ્યમયથી ગોડલ
 $\sim B$ $(A \rightarrow B) \neq \sim B$ 1 ગુણ
 $\sim \sim A$ $\sim \sim A$

સત્યતા કોષ્ટક :

ક્રમિક	1	2	3	4	5	6
સત્ય	A	B	$A \rightarrow B$	$\sim B$	$(A \rightarrow B) \neq \sim B$	$\sim A$
1	T	T	T	F	F	F
2	T	F	F	T	F	F
3	F	T	T	F	F	T
4	F	F	T	T	T*	T* 1 ગુણ

પ્રમાણ : સત્યતા કોષ્ટકની ચોક્કસ સરખામણી કરી શકાય.
 સત્ય (T) છે જ ન જ સરખામણી કરી શકાય તેવા વિધાન પાલ
 સત્ય (T) છે તેથી આ દર્શાવેલ પ્રમાણભૂત છે. 1 ગુણ

34. $(J \rightarrow K) \neq (L \rightarrow M) P$

2 $J \neq L$	P	/ $\sim K \neq M$
3 $J \rightarrow K$	1 simp	1 ગુણ
4 J	2 simp	
5 K	3, 4 MP	1 ગુણ
6 $L \rightarrow M$	1 simp	
7 L	2 simp	1 ગુણ
8 M	6, 7, MP	
9 $K \neq M$	5, 8, Conj	

35. $(A \neq B) \rightarrow \sim R$

2 $R \vee \sim D$		
3 $T \rightarrow B$		
4 $D \vee (B \rightarrow P)$		
5 $A \neq B$		/ $\sim (T \rightarrow P) \vee L$
6 $\sim R$	1, 5 MP	
7 $\sim D$	2, 6 DS	
8 $B \rightarrow P$	4, 7, DS	10. $(T \rightarrow P) \vee L$, 9, Ad
9 $T \rightarrow P$	3, 8, HS	3 ગુણ



36
 शीर्ष सी म ए^२
 शीर्ष म प ए^२
 आधार प सी ए^२

काहूति : शीर्ष काहूति

सी ————— म

जीए : ए१ ए२ ए३ १ गुण म ————— प १ गुण
 २ प सी

प्रामाण्य : इतित विधान केद्वारा है केके का देने
 आधारविधानों सर्वद्वारा है तथा सायदानमां १ गुण
 केसायनकी दिय है केके सायदान अनुमानका है

37
 शीर्ष सी^१ (म) ए^२
 शीर्ष प^१ (म) ए^२
 शीर्ष प^१ सी^१ ए^२

काहूति : शीर्ष काहूति

सी ————— म

प ————— म १ गुण

जीए : ए१ ए२ ए३ १ गुण २ प सी
 प्रामाण्य : केके आधारविधानों मां मध्यपद अनुपात है
 तथा सायदानमां अनुपात मध्यपदों दिय साय है केके
 सायदान अनुमानका है १ गुण

38 कार्यकारणों नियम :

एके केनावनी कारण लिय है कारण किना
 कसु व केनु नहए. एत न्यूनके काउ परधु कथा नीये
 पडता कसु केके किना कारण विशी विरायवाके कारण
 उयाँ १ गुण

कुदरतमां केनकी उद्यपज घटना उचित उकेजे
 कारणने लीये व केके है काम मानवामां केके कि
 केके लके उद्यकारण केके केके उयाँ साय के
 विज्ञानमां कुदरत घटनाके वकेके उद्यकारण केकेके
 केके साय है केके केके केके हैके केके केके कारण है
 केके नियमने विज्ञानमां लक्ष्य उद्यकार वहीके केकेके
 केके है २ गुण

अथवा



पुष्पिनी अउर उपता: पुष्पिनी अउर सरणी संयोगीमा
 अउर सरणी शीत वती ई. हाल, काके गरुनी स्वर्णी
 नी ते ईसा लागे ई पुष्पिनी अउर उपताके नियम कराने ई
 ई का विशेष कारणे मारेनली परंतु अंशने मारेते कायु ई
 अथवा पुष्पिनी अउर सरणी संयोगीमा अउर सरणी वती ई 1.50
 पुष्पिनी अउर उपता अउर पुष्पिनी विविधतानी
 वर्ये अउर नियम करता ई. का नियम कराने अदि
 उही शाय क पुष्पिनीमा अउर सरणी संयोगी लागर
 अथवा पुष्पिनी अउर सरणी वती ई 1.50

उ१ संभाववली अनुमानता आवता ताल परी :

- (1) पक्ष : पक्ष अउर केने केने विधी अनुमान लारखामा
 आवे ई ते - हाल, ते परवत पर अउर ई -
 तमा 'ते परवत' पक्ष ई. - 1 गुण
- (2) अनु : अनु अउर केने केने प्रत्यक्ष शान्तनी अथवा
 अनुमानकेवानी अरुल थाय ई हाल, ते
 परवत पर अउर ई - ते अनुमान लारखामा
 कियेके अरुल परवत पर प्रत्यक्ष शीत कया लो
 मयता धूमपथ थाय ई - 'ते धूमपथ' ई अउर
 (3) काध्य : काध्य अउर केने अनुमान द्वारा पक्षमा के काध्य
 थाय ई ते - हाल, ते परवत पर अउर ते
 ते परवत पर अउर अथवा थाय ई ते अउर
 के काध्य ई - 1 गुण
 अथवा

स्वाध्यानुमान :

स्वाध्यानुमान अउर अनुमानताके अउर
 पीतानी शान्त मदि पीतानी मयमा लारखे अनुमान
 हाल, जोर अउर केने परवत पर धूमपथ ई अउर
 प्रत्यक्ष शान्त थाय (2) जया धूमपथ जया अउर. के
 अथवा नी अथवा थाय ते काके मयते काध्य ते अउर
 (3) ते परवत पर अउर. ई अउर अनुमान लारखे अउर
 स्वाध्यानुमान. अथवा नदि पक्ष शान्तमा ई - 2 गुण
 "स्वाध्यानुमान शान्तमाकमा"



40 दार्शनिक युवनों का लक्षण मूल्य :

दार्शनिक युवक द्वारा वे परमताप के पीछे ही सही उत्तर देना प्रत्येक प्रकार के सवाल के लिए करती है।
 दार्शनिक युवक द्वारा वे परमताप के कारण ही सही उत्तर देना प्रत्येक प्रकार के सवाल के लिए करती है।
 दार्शनिक युवक द्वारा वे परमताप के कारण ही सही उत्तर देना प्रत्येक प्रकार के सवाल के लिए करती है।
 दार्शनिक युवक द्वारा वे परमताप के कारण ही सही उत्तर देना प्रत्येक प्रकार के सवाल के लिए करती है।

उदाहरण - निश्चय प्रमाण उदाहरण
 उदाहरण - निश्चय प्रमाण उदाहरण
 उदाहरण - निश्चय प्रमाण उदाहरण

विशय

विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :

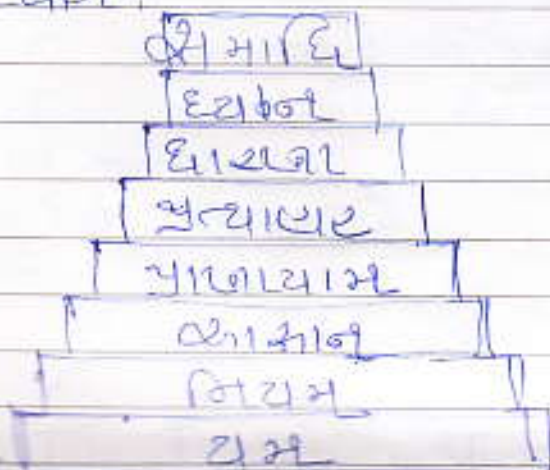
विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :
 विज्ञान युग का धर्म का मूल्य :

41. विशय के मुख्य तथ्य कौनसे हैं :

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य
6. सत्य 7. सत्य 8. सत्य 9. सत्य 10. सत्य
11. सत्य 12. सत्य 13. सत्य 14. सत्य 15. सत्य
16. सत्य 17. सत्य 18. सत्य 19. सत्य 20. सत्य



42 अष्टांग योग :



-- 3 गुणा

विलोम - E

43 'क' में सत्यता त्रिकोण

द्वैत रूप विधानों के त्रिकोण

सत्यता त्रिकोण

P	Q
T	T
T	F
F	T
F	F

संयुक्त विधान के त्रिकोण

सत्यता त्रिकोण

P	Q	Q
	T	
	F	
	F	
	F	

- 1 गुणा

क) त्रिकोण रूप :

1. क द्वैतता त्रिकोण है

2. क सत्यता त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण है

- 3 गुणा

3. P, Q, R त्रिकोण विधान सत्यता त्रिकोण त्रिकोण संयुक्त विधान है

सामुच्चय त्रिकोण: क संयुक्त विधान P, Q, R त्रिकोण

सत्य त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण त्रिकोण

- 1 गुणा

44 $A \rightarrow B$
 $B \rightarrow C$
∴ $A \rightarrow C$

તમે ભાષિત કરતા હો A
તમારું મન પ્રવૃત્તિ તરફ હો B
તમારું સ્વાસ્થ્ય તમારું રહે હો C

કમ્પ્યુટરમાં કોડ લખી
 $(A \rightarrow B) \wedge (B \rightarrow C)$

∴ $A \rightarrow C$

સંજ્ઞા	1	2	3	4	5	આ.વિ. 6	ફ.વિ. 7
સંજ્ઞા	A	B	C	$A \rightarrow B$	$B \rightarrow C$	$(A \rightarrow B) \wedge (B \rightarrow C)$	$A \rightarrow C$
1	T	T	T	T	T	T*	T*
2	T	T	F	T	F	F	F
3	T	F	T	F	T	F	T
4	T	F	F	F	T	F	F
5	F	T	T	T	T	T*	T*
6	F	T	F	T	F	F	T
7	F	F	T	T	T	T*	T*
8	F	F	F	T	T	T*	T*

દર્શાવેલ પ્રમાણ : સત્યતા કોષ્ટકની પહેલી, ત્રીજી, ચોથી, છઠ્ઠી અને આઠમી દરિયામાં આ.વિ. સત્ય (T) છે જો, બીજી દરિયામાં ફ.વિ. પણ સત્ય છે તો કોઈ પ્રમાણમાં છે.

45 વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિ : કોઈક દરિયામાં વૈજ્ઞાનિક નિરીક્ષણ પરથી વૈજ્ઞાનિક પદ્ધતિને કમ્પ્યુટરમાં એક સીધા સ્થાપવામાં આવેલી વ્યાપ્તિને વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિ કહે છે.

દા. ત્યારે આપણી જાણે પણ કોઈ વૈજ્ઞાનિક દરિયામાં નિરીક્ષણ કરી કમ્પ્યુટરમાં ભાષિત સ્થાપી વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિની વિશિષ્ટ લાક્ષણિકતાઓ :

- 1) વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિને વૈજ્ઞાનિક નિરીક્ષણ અને પ્રયોગોને સંભળવું હોય છે.
 - 2) વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિ કોઈકોઈક સંદર્ભ સ્થાપિત છે. - 3 ગુણ
 - 3) વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિમાં કોઈકોઈક ભાષિત અને પ્રવૃત્તિની એક સત્યતા ભાષિત તરિકા આધારે વધારે સ્થાપવામાં આવે છે.
- વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિને કમ્પ્યુટરમાં વૈજ્ઞાનિક વ્યાપ્તિ કોઈકોઈક સંદર્ભ સ્થાપી કોઈકોઈક વ્યાપ્તિને આધારે કહે છે. - 1 ગુણ



कारण

- वैशाख दशक के कारणों को देखते 2 गुण
- कारणों: अंगुष्ठा केवलेनी लक्ष्मी के पुनर्जन्म केवलेनी
 किशोराकी नी के अंगुष्ठा परिणाम के अर्थ की गणना
 केवलेनी वरत की पुनर्जन्म केवलेनी किशोरी परिणाम
 के अर्थ की अंगुष्ठा शीत अंगुष्ठा केवलेनी कारण के 8
 1) कारण के परिणाम के पुनर्जन्म केवलेनी
 2) कारण के परिणाम के वरत के पुनर्जन्म केवलेनी
 3) कारण के परिणाम के मिश्रित वरत के पुनर्जन्म केवलेनी
 4) कारण के परिणाम के अंगुष्ठा शीत नीपके केवलेनी
 - 3 गुण

46 व्याजिन प्रकृति :

व्याजिन संकथ करु करु अर्धदेशी विधानमां आवता
 उदियपद के विदियपदना विस्तारने अंगुष्ठा व्याजिन
 के प्रकृति के है

1) समव्याजिन : के व्याजिन उदियपद के विदियपदना
 विस्तार केमान केवलेनी व्याजिन समव्याजिन के है
 2) केवलेनी अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा है
 3) केवलेनी अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा है
 समव्याजिन के परिणाम केवलेनी अंगुष्ठा अंगुष्ठा है उदियपद
 विदियपद अंगुष्ठा के विदियपद के अंगुष्ठा अंगुष्ठा
 केवलेनी अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा

अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा है
 4) केवलेनी अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा अंगुष्ठा है



लोकसभ ध्याति: के ध्यातिना विधेय पदना विज्ञापन तन उदियपदना विज्ञापन कुरता लघुनि ध्यातु जिय के तन कहर उदियपदना विज्ञापन कमासु जना जिय के ध्यातिना लोकसभध्याति उहे हे लोकसभध्याति विपनध्याति ध्यातिनाके मापना करणधीन प्राणीके हे

(1) केहे विधेयपदना युवना हे

लोकसभध्यातिना के चरुके उदिय पदना पडे हे तन विधेयपद पना तनु पडु जये हे के उहे चरुके विधेयपद तनु पडे हे तन लोकसभ ध्याति पदना पडु जये. लोकसभ ध्यातिना परिचयके उरनाप विधेयके लघु निरुधाय हे.

विधेयके मापना करणधीन प्राणीके हे

केहे करणधीन प्राणीके 'मापनाके हे

ध्यातिनाके विधेयपदना युवना हे

केहे युवना विधेयपदनाके हे

2.5 गुण



विधेय

भारतीय ध्याति	पुमापना
1 व्यावृत्त ध्याति	पुमापना
2 लोके ध्याति	पुमापना, विधेय
3 जेन ध्याति	पुमापना, विधेय, शील
4 न्याय ध्याति	पुमापना, विधेय, विधान, शील
5 लोकेध्याति ध्याति	पुमापना, विधेय
6 लोके ध्याति	पुमापना, विधेय, शील
7 लोके ध्याति	पुमापना, विधेय, शील
8 पुमापनाके ध्याति	पुमापना, विधेय, विधान, शील
9 लोके ध्याति	पुमापना, विधेय, शील



47	દર્શન અને દર્શનગ્રંથના નામ	દર્શનગ્રંથોના નામ
	દર્શનના નામ	
1	ઈન્દ્ર દર્શન	કૃતિ અને સમુદાય
2	કૃષ્ણ દર્શન	ગણિતશાસ્ત્ર
3	લોદ્ધ દર્શન	ત્રિવિધ
4	શીવ દર્શન	શુદ્ધ સંસ્કૃતિ અને દર્શનગ્રંથ
5	જરથોસ્ત્રી દર્શન	સંદેશવર્મા
6	ચણ્ડી દર્શન	સુદાસન
7	પિસ્તી દર્શન	કાલકાલ
8	ઇસ્લામ દર્શન	કુશલ
9	વાલ્કી દર્શન	વાલ્કી ની સ્તોત્ર
10	કૃષ્ણચક્રવર્તી દર્શન	કૃષ્ણચક્રવર્તી અને સુદાસન
11	શિવોદ્ધાર દર્શન	કૃષ્ણચક્રવર્તી અને શિવોદ્ધાર

5. ગુણ

— X — X — X —

